केंद्रीय मंत्री ने जनजातीय संस्कृति केंद्र का शिलान्यास किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री; कृषि एवं किसान कल्याण अर्जुन मुंडा ने वर्चुअल माध्यम से झारखंड के सरायकेला खरसावां ज़िले में **'जनजातीय संस्कृति और विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन केंद्र'** की आधारशिला रखी।

मुख्य बिंदु:

- यह संग्रहालय **झारखंड राज्य में आदिवासी समुदाय की समृद्ध विरासत को चित्रित करने** और संरक्षित करने का एक प्रयास है, साथ ही समृद्ध आदिवासी जीवन शैली एवं संस्कृति को प्रदर्शित करता है।
    - केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने केंद्र की स्थापना हेतु 10 करोड़ रुपए का बजट आवंटित करके इस पहल को स्वीकृति दे दी है।
    - इस केंद्र को भविष्य में एक जीवंत केंद्र के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है, **जिसमें कारीगरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने** और पर्यटन के केंद्र के रूप में कार्य करने के लिये जगह मिलेगी।
    - यह क्षेत्र की भौतिक और अमूर्त जनजातीय संस्कृति, इसके इतिहास एवं विरासत का प्रदर्शन करेगा।
- एक अन्य कार्यक्रम में, उन्होंने नई दिल्ली में **भारतीय आदिम जाति सेवक संगठन (BAJSS)** में केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित हाल ही में पुनर्निर्मित **राष्ट्रीय अद्वितीय जनजातीय संग्रहालय, ई-लाइब्रेरी और एसटी गर्ल्स हॉस्टल** का भी उद्घाटन किया।
    - BAJSS की स्थापना **वर्ष 1948 में अमृतलाल विट्ठलदास ठक्कर द्वारा** की गई थी, जिन्हें ठक्कर बापा के नाम से जाना जाता था, जो एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्त्ता थे, जिन्होंने आदिवासी लोगों के उत्थान के लिये कार्य किया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/union-minister-lays-foundation-stone-of-tribal-culture-centre